Women and Child Development, Nutrition, and Early Child Development.

Under the National Nutrition Mission, the Ministry of Women and Child Development, Government of India will observe the Eighth Poshan Pakhwada during 9 April to 23 April 2026. The campaign is planned annually in liaison with the line departments, service providers and partner institutions to enhance nutritional outcomes in a holistic way. The theme of this year as per ICDS Directorate is Maximizing Brain Development in the First Six Years of Life. The programme will serve to enhance the Jan Andolan strategy and raise awareness of healthy physical and mental growth of children during the crucial early years of life among the families and communities.

RASO

Primary Theme of Poshan Pakhwada 2026.

The theme of Poshan Pakhwada 2026 is the early childhood brain development in the initial six years of life. This shows the value of nutrition, nurturing, stimulation and a nurturing environment in determining the future development and learning capacity of a child.

There are five key themes of activities

Poshan Pakhwada 2026 has five key, identified themes of activity by the Ministry of Women and Child Development:

Maternal and child nutrition

- Brain development stimulation in 0-3 years old group.

- Play based learning among the age group of 3-6 years.
- Community and parental involvement in minimizing screen time.
- Saksham Anganwadis: Community support.

These themes demonstrate that the campaign is not just restricted to food consumption, but extends to include learning, behaviour, caregiving, and community involvement.

Administrative Instructions to be followed

To make certain of effective implementation, all the District Collectors and other concerned officers of the Women and Child Development Department have been issued instructions. Mrs. Poonam who is the Governance Secretary and Mr. Vasudev Malavat who is the Director of Integrated Child Development Services have instructed the deputy Directors and the Child Development Project Officers to plan activities based on the activity calendar. They have also been requested to make sure that they converge with different departments and make daily entries on the Jan Andolan dashboard.

Significance to RAS exam

It describes a connection between nutrition policy and child development, population health, early education, community involvement, and administrative coordination. Inquiries may be made on Poshan Abhiyaan, Anganwadi services, early childhood care, and convergence in schemes in the social sector among the various departments.

Conclusion

The Eighth Poshan Pakhwada underlines the role of the government in enhancing child development in terms of nutrition, early stimulation, play-based learning, and community awareness. The campaign links the results of long-term human development to the health, education, and family support by focusing on the first six years of life.

MCQs

1.The Eighth Poshan Pakhwada 2026 will be celebrated between:

(a) 1 April to 15 April 2026

(b) 9 April to 23 April 2026

(c) 10 April to 24 April 2026

(d) 8 April to 22 April 2026

RASonly

Answer: (b) 9 April to 23 April 2026

Explanation: The Eighth Poshan Pakhwada 2026 will be celebrated in the country on 9 April-23 April 2026 under the National Nutrition Mission.

2. What is the central idea of Poshan Pakhwada 2026?

(a) Decreasing anaemia in teenage girls.

(b) School nutrition and universal immunisation.

(c) Development of the brain within the first six years of life.

(d) Rural fortification of food.

Answer : (c) Making the most of brain development during the initial six years of life.

Explanation : Poshan Pakhwada 2026 will center its theme around maximizing the growth of the brain during the first six years of life, emphasizing the significance of nutrition and care in the early years of life.

3. Which of the following were part of the five activity themes of Poshan Pakhwada 2026?

(a) Higher education expansion in terms of scholarships.

(b) PR of food processing that is export-oriented.

(c) Parent and community importance to decrease screen time.

(d) Urban accommodation of the migrant workers.

Answer : (c) Parents and community involvement in decreasing screen time.

Explanation: The role of parents and the community in minimizing screen time among children, particularly at the early development stages is one of the five activity themes identified in Poshan Pakhwada 2026.

महिला एवं बाल विकास, पोषण, प्रारंभिक बाल विकास।

राष्ट्रीय पोषण मिशन के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार 9 अप्रैल से 23 अप्रैल 2026 तक अष्टम पोषण पखवाड़ा मनाएगा। यह अभियान प्रत्येक वर्ष विभिन्न विभागों, सेवा प्रदाताओं तथा सहयोगी संस्थाओं के समन्वय से आयोजित किया जाता है, ताकि पोषण संबंधी परिणामों में समग्र रूप से सुधार किया जा सके। समेकित बाल विकास सेवा निदेशालय के अनुसार इस वर्ष की मुख्य थीम जीवन के प्रथम छह वर्षों में अधिकतम मस्तिष्क विकास है। यह कार्यक्रम जन आंदोलन की भावना को सशक्त करेगा तथा परिवारों और समुदायों में बच्चों के स्वस्थ शारीरिक एवं मानसिक विकास के प्रति जागरूकता बढ़ाएगा, विशेष रूप से उनके प्रारंभिक और अत्यंत महत्वपूर्ण वर्षों में।

RASonly

पोषण पखवाड़ा 2026 की मुख्य थीम

पोषण पखवाड़ा 2026 की मुख्य थीम जीवन के प्रथम छह वर्षों में बाल मस्तिष्क का विकास है। यह इस बात को रेखांकित करती है कि पोषण, देखभाल, प्रारंभिक प्रोत्साहन और सहायक वातावरण किसी भी बच्चे के भविष्य के विकास और सीखने की क्षमता को आकार देने में अत्यंत महत्त्वपूर्ण होते हैं।

गतिविधियों की पाँच प्रमुख थीम

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने पोषण पखवाड़ा 2026 के लिए पाँच प्रमुख गतिविधि-थीम निर्धारित की हैं:

- मातृ एवं शिशु पोषण।
- 0-3 वर्ष आयु वर्ग में मस्तिष्क विकास हेतु प्रारंभिक प्रोत्साहन।
- 3-6 वर्ष आयु वर्ग के लिए खेल-आधारित शिक्षा।
- स्क्रीन समय कम करने में माता-पिता और समुदाय की भूमिका।
- सक्षम आंगनबाड़ियों के लिए सामुदायिक सहयोग।

ये थीम यह स्पष्ट करती हैं कि यह अभियान केवल भोजन या पोषण तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें सीखना, व्यवहार, देखभाल तथा सामुदायिक सहभागिता भी शामिल है।

पालन किए जाने वाले प्रशासनिक निर्देश

प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग के सभी जिला कलेक्टरों और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। शासन सचिव श्रीमती पूनम तथा समेकित बाल विकास सेवाओं के निदेशक श्री वासुदेव मालावत ने उपनिदेशकों एवं बाल विकास परियोजना अधिकारियों को गतिविधि कैलेंडर के अनुसार कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही उन्हें यह भी कहा गया है कि वे विभिन्न विभागों के साथ समन्वय सुनिश्चित करें और जन आंदोलन डैशबोर्ड पर प्रतिदिन प्रविष्टियाँ दर्ज करें।

परीक्षा की दृष्टि से इसका महत्त्व

यह विषय आरएएस सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि यह पोषण नीति को बाल विकास, जनस्वास्थ्य, प्रारंभिक शिक्षा, सामुदायिक सहभागिता तथा प्रशासनिक समन्वय से जोड़ता है। पोषण अभियान, आंगनबाड़ी सेवाएँ, प्रारंभिक बाल देखभाल तथा सामाजिक क्षेत्र की योजनाओं में विभिन्न विभागों के अभिसरण से संबंधित प्रश्न पूछे जा सकते हैं।

निष्कर्ष

अष्टम पोषण पखवाड़ा यह दर्शाता है कि सरकार बाल विकास को पोषण, प्रारंभिक प्रोत्साहन, खेल-आधारित शिक्षा और सामुदायिक जागरूकता के माध्यम से सुदृढ़ करने पर बल दे रही है। जीवन के प्रथम छह वर्षों पर विशेष ध्यान देकर यह अभियान स्वास्थ्य, शिक्षा और पारिवारिक सहयोग को दीर्घकालिक मानव विकास के परिणामों से जोड़ता है।

RASonly

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. अष्टम पोषण पखवाड़ा 2026 कब मनाया जाएगा?

(a) 1 अप्रैल से 15 अप्रैल 2026
(b) 9 अप्रैल से 23 अप्रैल 2026
(c) 10 अप्रैल से 24 अप्रैल 2026
(d) 8 अप्रैल से 22 अप्रैल 2026

उत्तर: (b) 9 अप्रैल से 23 अप्रैल 2026

व्याख्या: अष्टम पोषण पखवाड़ा 2026 राष्ट्रीय पोषण मिशन के अंतर्गत पूरे देश में 9 अप्रैल से 23 अप्रैल 2026 तक मनाया जाएगा।

---

2. पोषण पखवाड़ा 2026 की केंद्रीय थीम क्या है?

(a) किशोरियों में एनीमिया में कमी लाना।
(b) सार्वभौमिक टीकाकरण और विद्यालय पोषण।
(c) जीवन के प्रथम छह वर्षों में मस्तिष्क विकास को अधिकतम करना।
(d) ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य सुदृढ़ीकरण।

उत्तर: (c) जीवन के प्रथम छह वर्षों में मस्तिष्क विकास को अधिकतम करना।

व्याख्या: पोषण पखवाड़ा 2026 की थीम जीवन के प्रथम छह वर्षों में मस्तिष्क विकास को अधिकतम करना है, जो प्रारंभिक अवस्था में पोषण और देखभाल के महत्त्व को रेखांकित करती है।

---

3. निम्नलिखित में से कौन-सा पोषण पखवाड़ा 2026 की पाँच गतिविधि-थीम में शामिल था?

(a) उच्च शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति विस्तार।
(b) निर्यात-उन्मुख खाद्य प्रसंस्करण का प्रोत्साहन।
(c) स्क्रीन समय कम करने में माता-पिता और समुदाय की भूमिका।
(d) प्रवासी श्रमिकों के लिए शहरी आवास।

उत्तर: (c) स्क्रीन समय कम करने में माता-पिता और समुदाय की भूमिका।

व्याख्या: पोषण पखवाड़ा 2026 की पाँच प्रमुख गतिविधि-थीम में से एक बच्चों के प्रारंभिक विकास के दौरान स्क्रीन समय कम करने में माता-पिता और समुदाय की भूमिका को महत्त्व देना है।

RASonly

Urban Transport, Industrial Development, Energy Security, Rajasthan Economy.

The Union Cabinet has given its nod to Jaipur Metro Phase-2 in a big push towards urban and industrial development of Rajasthan, and the Cabinet Committee on Economic Affairs has given its nod to the revised cost of the Pachpadra Refinery project. Both decisions were welcome by Chief Minister Bhajanlal Sharma who described them as milestones leading to the development of the state. Jaipur Metro Phase-2 will increase the mass rapid transit coverage in major industrial, residential, medical, and transport areas in Jaipur. Meanwhile, the ratification of the updated refinery price should enhance the energy infrastructure and speed up industrialization. These decisions combined are important to the development of the state of Rajasthan and in the exam preparation in regards to infrastructure and government policy.

Jaipur Metro Phase-2:

Large-scale Urban Transport Project.

Prahladpura to Todi Mod Jaipur Metro Phase-2 will create a 41 km North-South-corridor.

- The corridor will link Sitapara to VKIA.
- It will link important industrial and residential areas of Jaipur.
- It is supposed to enhance efficient, safe, and smooth urban transport.
- The project will enhance the status of Jaipur as a city of the future and modernity.

The Metro Corridor has several significant characteristics.

The Metro Phase-2 project that is approved has a number of significant features:

- Length of the corridor: 41 kilometres.
- Total stations: 36
- Total project cost: more than ₹13,037 crore
- Implementing agency: Rajasthan Metro Rail Corporation Limited.
- Ownership: 50:50 joint venture between Government of India and Government of Rajasthan.

The corridor will offer connectivity to key destinations like:

- Sitapura Industrial Area
- VKIA
- Jaipur Airport
- Tonk Road
- SMS Hospital and Stadium.
- Ambabari
- Vidhyadhar Nagar

The airport will also be developed into underground stations to have an integrated and continuous metro network.

Connection to the existing Jaipur Metro Network.

Currently, Jaipur Metro Phase-1 is working on the East-West route between Mansarovar and Badi Chaupar.

- Length of Phase-1: 11.64 kilometres
- Phase-1: 11 total stations.

The suggested Phase-2 will increase the North-South expansion of the metro network. The broader connectivity is likely to lessen traffic jams, enhance transport, and aid the planned development of the city.

Pachpadra Refinery: Enhancing the Energy and Industrial foundation of Rajasthan

- The cost of HPCL Rajasthan Refinery at Pachpadra has been revised and approved by the Cabinet Committee on Economic Affairs.
- Revised project cost: ₹79,459 crore
- This ruling not only matters to the state of Rajasthan but also to the energy requirements in India. The refinery will enhance the energy infrastructure of the country as well as make Rajasthan more strategic in the petroleum industry.

RASonly

Economic Value of the Refinery Project

The Pachpadra Refinery project will generate great economic impacts to the state

- It will provide a new impetus to industry in Rajasthan.
- More than 25,000 direct and indirect employment opportunities have been created through the project.
- It will help to economically empower the state.

The project is thus significant in terms of energy security, industrialisation and creation of employment.

This is important to exams because it will help you identify the key points that need to be studied.

It is significant to RAS and other competitive examinations :

- Urban transport infrastructure
- Joint venture model in government projects.
- Industrial corridor connectivity
- Energy security and refinery development
- Creation of jobs by creating huge infrastructure projects.
- The role of Rajasthan in contemporary urban and industrial development.

The queries that can be raised are about the length, route, cost and features of Jaipur Metro Phase-2, and the updated cost and economic impact of the Pachpadra Refinery.

Conclusion

The Jaipur Metro Phase-2 approval and the re-estimated cost of Pachpadra Refinery is a significant milestone in the development process of Rajasthan. Although the metro project will enhance urban movement and congestion in Jaipur, refinery project will enhance the energy infrastructure, industry and job creation. Both resolutions have high administrative, economic, and examination implications.

MCQs

1.Phase-2 Jaipur Metro will develop a NorthSouth corridor starting at:

(a) Mansarovar to Badi Chaupar.

(b) Sitapura to Jaipur Airport

(c) Todi Mod to Prahladpura.

RASonly

(d) VKIA to Tonk road.

Answer : (c) Prahladpura to Todi Mod.

Explanation: Jaipur Metro Phase-2 is a 41-kilometre North-South line that has been granted between Prahladpura and Todi Mod. It is meant to enhance connectivity in major industrial, residential and public utility areas of Jaipur.

2. How many stations are approved in Jaipur Metro Phase-2?

(a) 36

(b) 11

(c) 41

(d) 27

Answer: (a) 36

Explanation: Jaipur Metro Phase-2 corridor which will be approved will consist of 36 stations. The metro will greatly enhance the metro network in Jaipur and increase the integrated transportation within the key areas of the city.

3. The new cost that has been approved by the HPCL Rajasthan Refinery in Pachpadra is:

(a) ₹13,037 crore

(b) ₹41,000 crore

(c) ₹25,000 crore

(d) ₹79,459 crore

Answer: (d) ₹79,459 crore

Explanation : The Cabinet Committee on Economic Affairs accepted the amended cost of 79,459 crore of the HPCL Rajasthan Refinery at Pachpadra. Project will enhance energy infrastructure, promote industrial development and create massive jobs in Rajasthan.

RASonly

शहरी परिवहन, औद्योगिक विकास, ऊर्जा सुरक्षा, राजस्थान की अर्थव्यवस्था।

राजस्थान के शहरी और औद्योगिक विकास को बड़ी गति देते हुए केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जयपुर मेट्रो फेज-2 को मंजूरी दी है, जबकि आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने पचपदरा रिफाइनरी परियोजना की संशोधित लागत को स्वीकृति प्रदान की है। दोनों निर्णयों का मुख्यमंत्री भजनलाल

शर्मा ने स्वागत किया और इन्हें राज्य के विकास में मील का पत्थर बताया। जयपुर मेट्रो फेज-2 जयपुर के प्रमुख औद्योगिक, आवासीय, चिकित्सीय तथा परिवहन क्षेत्रों में तीव्र जन-परिवहन की पहुँच को बढ़ाएगा। वहीं, रिफाइनरी की संशोधित लागत को मंजूरी मिलने से ऊर्जा आधारभूत संरचना सुदृढ़ होगी और औद्योगिकीकरण को गति मिलेगी। ये दोनों निर्णय राजस्थान के विकास तथा आधारभूत संरचना और सार्वजनिक नीति से संबंधित परीक्षा-तैयारी की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण हैं।

जयपुर मेट्रो फेज-2: बड़े स्तर की शहरी परिवहन परियोजना

जयपुर मेट्रो फेज-2 के अंतर्गत प्रहलादपुरा से टोडी मोड़ तक 41 किलोमीटर लंबा उत्तर-दक्षिण गलियारा विकसित किया जाएगा।

- यह गलियारा सीतापुरा को वीकेआईए से जोड़ेगा।
- यह जयपुर के महत्त्वपूर्ण औद्योगिक और आवासीय क्षेत्रों को आपस में जोड़ेगा।
- इससे सुरक्षित, सुगम और दक्ष शहरी परिवहन को बढ़ावा मिलने की संभावना है।
- यह परियोजना जयपुर को आधुनिक और भविष्य के लिए तैयार शहर के रूप में और मजबूत करेगी।

मेट्रो गलियारे की प्रमुख विशेषताएँ

स्वीकृत मेट्रो फेज-2 परियोजना की कई महत्त्वपूर्ण विशेषताएँ हैं:

- गलियारे की लंबाई: 41 किलोमीटर।
- कुल स्टेशन: 36
- कुल परियोजना लागत: ₹13,037 करोड़ से अधिक
- कार्यान्वयन एजेंसी: राजस्थान मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड।
- स्वामित्व संरचना: भारत सरकार और राजस्थान सरकार के बीच 50:50 का संयुक्त उपक्रम।

यह गलियारा निम्न प्रमुख क्षेत्रों को संपर्क प्रदान करेगा:

- सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र
- वीकेआईए
- जयपुर हवाई अड्डा
- टोंक रोड
- एसएमएस अस्पताल और स्टेडियम
- अंबाबाड़ी
- विद्याधर नगर

शहर में एकीकृत और निर्बाध मेट्रो तंत्र सुनिश्चित करने के लिए हवाई अड्डा क्षेत्र में भूमिगत स्टेशन भी विकसित किए जाएंगे।

RASonly

वर्तमान जयपुर मेट्रो नेटवर्क से जुड़ाव

वर्तमान में जयपुर मेट्रो फेज-1 मानसरोवर से बड़ी चौपड़ तक पूर्व-पश्चिम गलियारे पर संचालित हो रही है।

- फेज-1 की लंबाई: 11.64 किलोमीटर
- फेज-1 में कुल स्टेशन: 11

प्रस्तावित फेज-2 मेट्रो नेटवर्क को उत्तर-दक्षिण दिशा में विस्तार देगा। इस व्यापक संपर्क से यातायात जाम कम होने, सार्वजनिक परिवहन में सुधार होने और शहर के नियोजित विकास को बल मिलने की संभावना है।

पचपदरा रिफाइनरी: राजस्थान के ऊर्जा और औद्योगिक आधार को सुदृढ़ करना

आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने पचपदरा स्थित एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी की संशोधित लागत को मंजूरी प्रदान की है।

- संशोधित परियोजना लागत: ₹79,459 करोड़

यह निर्णय केवल राजस्थान ही नहीं, बल्कि देश की ऊर्जा आवश्यकताओं की दृष्टि से भी महत्त्वपूर्ण है। यह रिफाइनरी देश की ऊर्जा आधारभूत संरचना को मजबूत करेगी और पेट्रोलियम क्षेत्र में राजस्थान की रणनीतिक भूमिका को बढ़ाएगी।

रिफाइनरी परियोजना का आर्थिक महत्त्व

पचपदरा रिफाइनरी परियोजना से राज्य को बड़े आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है।

- इससे राजस्थान में औद्योगिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी।
- इस परियोजना के माध्यम से 25,000 से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित हुए हैं।
- यह राज्य के आर्थिक सशक्तीकरण में सहायक होगी।

इस प्रकार यह परियोजना ऊर्जा सुरक्षा, औद्योगिकीकरण और रोजगार सृजन की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

परीक्षा की दृष्टि से इसका महत्त्व

यह विषय आरएएस तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्त्वपूर्ण है क्योंकि इसमें कई परीक्षा-उपयोगी विषय शामिल हैं:

- शहरी परिवहन आधारभूत संरचना
- सरकारी परियोजनाओं में संयुक्त उपक्रम मॉडल
- औद्योगिक गलियारा संपर्क
- ऊर्जा सुरक्षा और रिफाइनरी विकास
- बड़ी आधारभूत संरचना परियोजनाओं के माध्यम से रोजगार सृजन

RASonly

- आधुनिक शहरी और औद्योगिक विकास में राजस्थान की भूमिका

जयपुर मेट्रो फेज-2 की लंबाई, मार्ग, लागत और विशेषताओं तथा पचपदरा रिफाइनरी की संशोधित लागत और आर्थिक प्रभाव पर प्रश्न पूछे जा सकते हैं।

निष्कर्ष

जयपुर मेट्रो फेज-2 की स्वीकृति और पचपदरा रिफाइनरी की पुनर्निर्धारित लागत राजस्थान के विकास क्रम में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। जहाँ मेट्रो परियोजना जयपुर में शहरी आवागमन और यातायात दबाव को कम करेगी, वहीं रिफाइनरी परियोजना ऊर्जा आधारभूत संरचना, औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन को मजबूत करेगी। दोनों निर्णय प्रशासनिक, आर्थिक और परीक्षा की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

बहुविकल्पीय प्रश्न

- जयपुर मेट्रो फेज-2 के अंतर्गत उत्तर-दक्षिण गलियारा किसके बीच विकसित किया जाएगा?
  (a) मानसरोवर से बड़ी चौपड़।
  (b) सीतापुरा से जयपुर हवाई अड्डा
  (c) प्रहलादपुरा से टोडी मोड़।
  (d) वीकेआईए से टोंक रोड।

उत्तर: (c) प्रहलादपुरा से टोडी मोड़।

व्याख्या: जयपुर मेट्रो फेज-2 को प्रहलादपुरा से टोडी मोड़ तक 41 किलोमीटर लंबे उत्तर-दक्षिण गलियारे के रूप में स्वीकृति दी गई है। इसका उद्देश्य जयपुर के प्रमुख औद्योगिक, आवासीय और सार्वजनिक उपयोगिता क्षेत्रों के बीच संपर्क को बेहतर बनाना है।

---

2. जयपुर मेट्रो फेज-2 में कुल कितने स्टेशन स्वीकृत किए गए हैं?
(a) 36
(b) 11
(c) 41
(d) 27

उत्तर: (a) 36

व्याख्या: स्वीकृत जयपुर मेट्रो फेज-2 गलियारे में कुल 36 स्टेशन होंगे। यह परियोजना जयपुर के मेट्रो नेटवर्क का बड़ा विस्तार करेगी और शहर के प्रमुख क्षेत्रों के बीच एकीकृत सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूत बनाएगी।

- पचपदरा स्थित एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी के लिए स्वीकृत संशोधित लागत कितनी है?
  (a) ₹13,037 करोड़
  (b) ₹41,000 करोड़

RASonly

(c) ₹25,000 करोड़
(d) ₹79,459 करोड़

उत्तर: (d) ₹79,459 करोड़

व्याख्या: आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने पचपदरा स्थित एचपीसीएल राजस्थान रिफाइनरी की संशोधित लागत ₹79,459 करोड़ को स्वीकृति दी है। यह परियोजना ऊर्जा आधारभूत संरचना को मजबूत करेगी, औद्योगिक विकास को बढ़ाएगी और राजस्थान में बड़े स्तर पर रोजगार सृजन में सहायक होगी।

Farmer Welfare, Irrigation, Rural Infrastructure, Livestock Support.

Chief Minister Bhajanlal Sharma talked about various initiatives to enhance the farmer welfare, irrigation, rural infrastructure and livestock services in Rajasthan at a farmer conference in the Nangal Sherpur village of Todabhim in Karauli district. He said that farmers are the cornerstone of economic life in the country and the government is determined to empower them. Highlights were day-time power supply to farmers in 24 districts, development of Ramjal Setu Link Project in 17 districts, development of rural roads and government college opening at Nangal Sherpur. The other topics discussed in the conference included modern agriculture, growth of irrigation, employment of youths and the encouragement of animal farming.

RASonly

Significant messages during the Farmer Conference

Some key announcements were undertaken throughout the event:

- In Balghat tehsil, a government college will be established in Nangal Sherpur.
- On the Kariri to Rajaur road, construction of roads was declared.
- Pathwari to Ghasiram Baba Ashram Kadam Khundi was also announced as a road construction.
- The officers were instructed to make an anicuts feasibility report in Lapawali village.

Such measures will enhance education and connectivity in rural areas in the region

Irrigation and Power Assistance to Farmers

- The Chief Minister indicated that continuous supply of water and power to irrigate the land is still a priority.
- Farmers in 24 districts are being provided electricity during daytime.
- Ramjal Setu Link Project will serve the interests of the farmers in 17 districts through enhancement of irrigation and drinking water.
- The Yamuna water agreement is also progressing in the government.
- The works being carried out under the projects like INGP, Gang Canal and Som-Kamla-Amba are strengthening works.

The efforts are to enhance water security and agricultural productivity in Rajasthan

Target Modern Agriculture and Youth Empowerment.

Another key point that was raised at the conference was the relevance of contemporary farming practices and development by the youth.

- The farmers were advised to embrace modern techniques of agriculture.
- They were encouraged to apply fertilizers based on Soil Health Cards to ensure soil fertility in the long-term.
- The state government is offering the interest-free loans under its youth policy.
- MoUs made at the Rising Rajasthan Global Investment Summit are likely to provide job opportunities.

RASonly

The Chief Minister expressed that the young people needed to aspire to be job providers, and not just seeking jobs.

The Government supports farmers and animal herders by providing them financial support.

Various farmers and livestock owner welfare measures were mentioned:

- The PM Kisan Saman Nidhi assistance has been raised to 9,000/year with an addition of 3,000/year by the state government.
- More than ₹53,000 crore in interest-free loans has been provided to farmers.
- Subsidy is being given on electricity bills.
- More than 2 lakh new agricultural connections are issued.
- It has installed 65,400 solar pumps, which have been supported by subsidy greater than 1000 crore.
- ₹957 crore has been given as subsidy for drip and sprinkler systems.

These are aimed at cutting down farming expenses as well as encouraging agricultural self-sufficiency.

Rural and livestock economic assistance.

Another area that the government focused on is the livestock owners.

- The Mukhyamantri Mangla Pashu Bima Yojana has insured over 17 lakh animals without charge.
- A total of 536 mobile veterinary vehicles are providing doorstep treatment in villages.
- Live stock owning families have been given 709 crore interest free loans under the Rajasthan Cooperative Gopal Credit Card Scheme.

This indicates that the welfare of farmers is being pegged on livestock security and rural income support.

- The argument that can be presented is a comparative claim on how the government should proceed with developing the farm.
- The Chief Minister too contrasted the performance of the current government and the previous government.
- 35,368 farm ponds were constructed in 25 months, as compared to 8,152 in the first 25 months of the former government.
- ₹303 crore was given as subsidy for farm ponds in the current 25-month period, compared to ₹48 crore in the earlier comparable period.

These numbers were introduced as testimony to quicker adoption in farm support infrastructure.

RASonly

Importance for Exams

This is significant in the context of RAS and other competitive examinations as it addresses some of the major themes:

- Farmer welfare measures
- Irrigation and inter-basin water.
- Rural connectivity and infrastructure and facilities.
- Agricultural subsidies and solar pumps.
- Livestock insurance and mobile veterinary services.
- Policy: Youth employment and rural development.

Some of the questions that may be posed include the Ramjal Setu Link Project, PM Kisan support in Rajasthan, daytime electricity supply, and livestock welfare programs.

Conclusion

As seen in the Nangal Sherpur farmer conference, Rajasthan is now dedicated to irrigation development, farmer support, animal welfare, and rural development. The event showcased an expansive policy response between agriculture and long-term rural development with announcements regarding electricity, water, subsidies, roads, education, and employment.

MCQs

1. How many districts are being supplied with daytime electricity to the farmers according to the announcement made at the farmer conference in Nangal Sherpur?

(a) 17

(b) 24

(c) 25

(d) 36

Answer: (b) 24

Explanation : This is because, according to the Chief Minister, farmers are receiving electricity in 24 districts of Rajasthan during the daytime. This move is to help in sustaining irrigation and enhance agricultural activities by making power more accessible to farmers when they can use it more efficiently.

2. How many districts in Rajasthan will be benefited by the Ramjal Setu Link Project?

(a) 24

RASonly

(b) 11

(c) 17

(d) 9

Answer: (c) 17

Explanation: Ramjal Setu Link Project was identified as a significant irrigation and drinking water project that is likely to benefit 17 districts. It has importance in the fact that it relates water resource planning to the agricultural productivity, rural welfare and long-term development of the area in Rajasthan.

3. How many animals have been insured free under the Mukhyamantri Mangla Pashu Bima Yojana?

(a) 5 lakh

(b) 10 lakh

(c) 12 lakh

(d) 17 lakh

Answer: (d) 17 lakh

Explanation: According to the government, over 17 lakh animals have been covered with a free of cost insurance scheme under the Mukhyamantri Mangala Pashu Bima Yojana. This is an indication of the significance of livestock welfare within rural Rajasthan economy, animal husbandry contributes significantly to income and livelihood security.

किसान कल्याण, सिंचाई, ग्रामीण आधारभूत संरचना, पशुधन सहायता।

करौली जिले के टोडाभीम क्षेत्र के नांगल शेरपुर गांव में आयोजित किसान सम्मेलन में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान में किसान कल्याण, सिंचाई, ग्रामीण आधारभूत संरचना और पशुधन सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए अनेक पहलों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि किसान देश की आर्थिक व्यवस्था की आधारशिला हैं और सरकार उनके सशक्तीकरण के लिए प्रतिबद्ध है। सम्मेलन की प्रमुख घोषणाओं में 24 जिलों के किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराना, 17 जिलों के लिए रामजल सेतु लिंक परियोजना को आगे बढ़ाना, ग्रामीण सड़कों का निर्माण तथा नांगल शेरपुर में राजकीय महाविद्यालय खोलना शामिल था। सम्मेलन में आधुनिक कृषि, सिंचाई विस्तार, युवाओं के रोजगार और पशुपालन प्रोत्साहन पर भी विशेष बल दिया गया।

RASonly

किसान सम्मेलन में प्रमुख घोषणाएँ

कार्यक्रम के दौरान कई महत्वपूर्ण घोषणाएँ की गईं:

- बालघाट तहसील के नांगल शेरपुर में राजकीय महाविद्यालय खोला जाएगा।
- करीरी से राजौर मार्ग तक सड़क निर्माण की घोषणा की गई।
- पथवारी से घासीराम बाबा आश्रम कदम खुण्डी तक सड़क निर्माण की भी घोषणा की गई।
- लपावली गांव में एनीकट निर्माण के लिए अधिकारियों को व्यवहार्यता प्रतिवेदन तैयार करने के निर्देश दिए गए।

इन कदमों से क्षेत्र में शिक्षा और ग्रामीण संपर्क व्यवस्था को मजबूती मिलने की संभावना है।

किसानों के लिए सिंचाई और बिजली सहायता

मुख्यमंत्री ने कहा कि सिंचाई के लिए निर्बाध जल और बिजली उपलब्ध कराना सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है।

- प्रदेश के 24 जिलों में किसानों को दिन के समय बिजली उपलब्ध कराई जा रही है।
- रामजल सेतु लिंक परियोजना से 17 जिलों के किसानों को सिंचाई और पेयजल में लाभ मिलने की संभावना है।
- सरकार यमुना जल समझौते को भी आगे बढ़ा रही है।
- आईएनजीपी, गंगनहर और सोम-कमला-अम्बा जैसी परियोजनाओं के अंतर्गत सुदृढ़ीकरण कार्य किए जा रहे हैं।

इन पहलों का उद्देश्य राजस्थान में जल सुरक्षा और कृषि उत्पादकता को बेहतर बनाना है।

आधुनिक कृषि और युवा सशक्तीकरण पर बल

सम्मेलन में आधुनिक कृषि पद्धतियों और युवा विकास के महत्त्व पर भी बल दिया गया।

- किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक अपनाने की सलाह दी गई।
- मृदा स्वास्थ्य कार्ड के अनुसार उर्वरकों का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया, ताकि भूमि की उर्वरता लंबे समय तक बनी रहे।
- राज्य सरकार युवा नीति के माध्यम से ब्याजमुक्त ऋण उपलब्ध करा रही है।
- राइजिंग राजस्थान वैश्विक निवेश शिखर सम्मेलन में हुए समझौता ज्ञापनों से रोजगार के अवसर मिलने की संभावना बताई गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को केवल नौकरी खोजने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बनने का लक्ष्य रखना चाहिए।

RASonly

किसानों और पशुपालकों के लिए वित्तीय सहायता

किसानों और पशुपालकों के लिए अनेक कल्याणकारी उपायों का उल्लेख किया गया:

- प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की राशि में राज्य सरकार द्वारा ₹3,000 जोड़कर इसे ₹9,000 प्रतिवर्ष किया गया है।
- किसानों को ₹53,000 करोड़ से अधिक का ब्याजमुक्त ऋण दिया गया है।
- बिजली बिलों पर अनुदान दिया जा रहा है।
- 2 लाख से अधिक नए कृषि विद्युत कनेक्शन जारी किए गए हैं।
- 65,400 सौर पंप लगाए गए हैं, जिन पर ₹1,000 करोड़ से अधिक का अनुदान दिया गया है।
- ड्रिप और फव्वारा संयंत्रों के लिए ₹957 करोड़ का अनुदान दिया गया है।

इन उपायों का उद्देश्य कृषि लागत कम करना और कृषि आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है।

पशुधन और ग्रामीण आर्थिक सहायता

सरकार ने पशुपालकों के समर्थन पर भी विशेष ध्यान दिया है।

- मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के अंतर्गत 17 लाख से अधिक पशुओं का निःशुल्क बीमा किया गया है।
- कुल 536 मोबाइल पशु चिकित्सा वाहन गांवों में घर-घर उपचार सेवा दे रहे हैं।
- राजस्थान सहकारी गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना के अंतर्गत पशुपालक परिवारों को ₹709 करोड़ का ब्याजमुक्त ऋण दिया गया है।

इससे स्पष्ट है कि किसान कल्याण को पशुधन सुरक्षा और ग्रामीण आय समर्थन से भी जोड़ा जा रहा है।

कृषि विकास पर तुलनात्मक दावा

मुख्यमंत्री ने वर्तमान सरकार और पूर्ववर्ती सरकार के कार्यों की तुलना भी प्रस्तुत की।

- 25 महीनों में 35,368 फार्म पॉण्ड बनाए गए, जबकि पूर्ववर्ती सरकार के पहले 25 महीनों में 8,152 फार्म पॉण्ड बनाए गए थे।
- वर्तमान 25 माह की अवधि में फार्म पॉण्ड पर ₹303 करोड़ का अनुदान दिया गया, जबकि पूर्व की तुलनात्मक अवधि में यह राशि ₹48 करोड़ थी।

इन आँकड़ों को कृषि सहायता आधारभूत संरचना में तेज प्रगति के प्रमाण के रूप में प्रस्तुत किया गया।

परीक्षा की दृष्टि से महत्त्व

यह विषय आरएएस तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की दृष्टि से महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसमें अनेक परीक्षा-उपयोगी विषय सम्मिलित हैं:

RASonly

- किसान कल्याण उपाय
- सिंचाई तथा अंतर-घाटी जल परियोजनाएँ
- ग्रामीण संपर्क और आधारभूत संरचना
- कृषि अनुदान तथा सौर पंप
- पशुधन बीमा और मोबाइल पशु चिकित्सा सेवाएँ
- युवा रोजगार और ग्रामीण विकास नीति

रामजल सेतु लिंक परियोजना, राजस्थान में प्रधानमंत्री किसान समर्थन, दिन में बिजली आपूर्ति और पशुधन कल्याण योजनाओं पर प्रश्न पूछे जा सकते हैं।

निष्कर्ष

नांगल शेरपुर किसान सम्मेलन ने यह स्पष्ट किया कि राजस्थान सरकार वर्तमान में सिंचाई विस्तार, किसान सहायता, पशु कल्याण और ग्रामीण आधारभूत संरचना पर विशेष ध्यान दे रही है। बिजली, पानी, अनुदान, सड़क, शिक्षा और रोजगार से संबंधित घोषणाओं के माध्यम से इस सम्मेलन ने कृषि को दीर्घकालिक ग्रामीण विकास से जोड़ने वाली व्यापक नीतिगत सोच को सामने रखा।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. नांगल शेरपुर किसान सम्मेलन में की गई घोषणा के अनुसार किसानों को दिन में बिजली कितने जिलों में दी जा रही है?
(a) 17
(b) 24
(c) 25
(d) 36

उत्तर: (b) 24

व्याख्या: मुख्यमंत्री के अनुसार राजस्थान के 24 जिलों में किसानों को दिन के समय बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। यह व्यवस्था सिंचाई कार्यों को सुचारु बनाने और कृषि गतिविधियों को अधिक प्रभावी ढंग से संचालित करने के उद्देश्य से की गई है।

---

2. रामजल सेतु लिंक परियोजना से राजस्थान के कितने जिलों को लाभ मिलने की संभावना है?
(a) 24
(b) 11
(c) 17
(d) 9

उत्तर: (c) 17

RASonly

व्याख्या: रामजल सेतु लिंक परियोजना को एक महत्त्वपूर्ण सिंचाई और पेयजल परियोजना के रूप में बताया गया है, जिससे राजस्थान के 17 जिलों को लाभ मिलने की संभावना है। यह परियोजना जल संसाधन योजना, कृषि उत्पादकता और ग्रामीण विकास से जुड़ी हुई है।

---

3. मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के अंतर्गत कितने से अधिक पशुओं का निःशुल्क बीमा किया गया है?
(a) 5 लाख
(b) 10 लाख
(c) 12 लाख
(d) 17 लाख

उत्तर: (d) 17 लाख

व्याख्या: सरकार के अनुसार मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के अंतर्गत 17 लाख से अधिक पशुओं का निःशुल्क बीमा किया गया है। यह राजस्थान की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में पशुधन के महत्त्व को दर्शाता है, जहाँ पशुपालन आय और आजीविका सुरक्षा का एक बड़ा आधार है।

Jawahar Kala Kendra, Folk Arts, Cultural Heritage, Rajasthan Folk Traditions.

The three day 33 rd Foundation Day celebration of Jaipur started on 8 April in Jaipur, Jawahar Kala Kendra (JKK) with colourful performances of child folk artists of various regions of Rajasthan. They are training these young artists through the

guru-shishya tradition which has remained relevant in the maintenance of traditional arts. The first day programme was conducted in Rangayan Auditorium and marked a special innovation because child folk artists gave the stage performances in the given format first. The festival showcased the rich folk culture of Rajasthan and how folk traditions are being passed on by the younger generation. The programme has significance as far as exam is concerned since it links heritage conservation to institutional cultural promotion in Rajasthan.

The Opening Day had a few highlights

The opening day of the celebration was marked by the great performances of child artists that amazed the audience with their self-confidence and talents, as well as knowledge of folk traditions.

- The programme was hosted during 33rd Foundation Day of Jawahar Kala Kendra.
- It was a cultural tour of Rajasthan on a three day basis.
- Folk artists that were child artists of various parts of the state participated.
- The performances were greatly applauded and witnessed by the audience.

The event was a representation of not just artistic education but cultural heritage.

Folk Folkerts Performed at the Event.

The child artists exhibited a diversity of traditional folk forms of Rajasthan.

- Dandi Gair
- Shekhawati Chang performance
- Traditional mangalik songs
- Various types of folk dances.

These performances reflected the variety of the cultural manifestation of the region in Rajasthan and the importance of children in maintaining these cultural manifestations.

Langa Group Performance

One of the major attractions of the evening was the performance by Sadik Khan Langa and his group.

- The presentation commenced with Gajanand Ji Aavo.
- This was succeeded by folk songs like the chaira Ri Makhi, charkho, jeevdo and dhora Walo Des.

RASonly

Their singing evoked a strong emotional attachment of the audience to the desert culture of Rajasthan.

Chari Dance and Shekhawati Chang

Mangalik Chari dance performance was also a traditional dance offered to the event.

- The Chari dance was performed by Krishna Malikar and her band of child actors.
- They danced with blazing pots on their heads gracefully and with grace.

This was succeeded by the well-known Chang dance of the Shekhawat area

- Banwari and his band played to the rhythms of chang and dhap.
- The sweet sound of the flute was also featured in the presentation.

The play was filled with energy, coordination and the lively folk culture spirit.

Lasting Presentation of the inaugural day.

Dinesh and his group of Balotra finished off the opening day with their performance.

- The performance was performed according to the dhol and thali sound.
- It started with Ghera.
- Then it slipped into the even time of “Sathiya.”
- The programme ended with a beautiful Marwari Ghoomar dance.

This last part was a splendid ending to the first day of the celebration.

Cultural Significance of the Event

The shows helped me see that the cultural heritage of Rajasthan is being successfully transferred with the help of the younger generation. The performance was also indicative of the significance of Jawahar Kala Kendra as a significant cultural organization in the state. The programme promoted the traditional arts as well as preservation of traditional arts by providing a मंच to child folk artists.

Upcoming Programme

- A special show of Muzaffar Rahman and his group will be held on the second day of the Foundation Day celebration, 9 April 2026.
- The presentation will be accompanied by 14 artists.
- The programme will be mainly about singing.

This is likely to present a musical experience to the audience in a unique way.

RASonly

Conclusion

Jawahar Kala Kendra 33rd Foundation Day celebration is a significant cultural event that can be used to represent the interest of Rajasthan towards the preservation and promotion of its folk traditions. The first day performances of child artists demonstrated that the traditional music and dance are still alive due to the guru-shishya tradition and institutional assistance.

MCQs

1. The 33rd Foundation Day celebration related in the news is connected with:

(a) Rajasthan Sangeet Natak Akademi

(b) Jawahar Kala Kendra

(c) Ravindra Manch

(d) Rajasthan Lalit Kala Akademi.

Answer :(b) Jawahar Kala Kendra.

Explanation: It is a news story on the 33rd Foundation Day (Jawahar Kala Kendra) celebration at Jaipur. It was an event where child folk artists performed and the role of the institution in conserving and promoting the cultural heritage of Rajasthan was also noticed.

2. Krishna Malikar and her group did which of the following performances?

(a) Dandi Gair

(b) Marwari Ghoomar

(c) Chari dance

(d) Langa folk singing.

Answer : (c) Chari dance.

Explanation : Krishna Malikar and her band of child dancers performed the traditional mangalik Chari dance. The performers of this performance stood on their heads with burning pots and still danced beautifully and gracefully as well as with huge control.

3. When was the special performance of Muzaffar Rahman and his group to be held?

(a) 8 April 2026

(b) 9 April 2026

RASonly

(c) 10 April 2026

(d) 11 April 2026

Answer: (b) 9 April 2026

Explanation: The second day of the Foundation Day celebration programme was to be held on 9 April 2026. Muzaffar Rahman and his company, accompanied by 14 artists, were announced to have a special musical performance.

जवाहर कला केन्द्र, लोक कलाएँ, सांस्कृतिक धरोहर, राजस्थान की लोक परंपराएँ।

जयपुर स्थित जवाहर कला केन्द्र में 8 अप्रैल से तीन दिवसीय 33वें स्थापना दिवस समारोह का शुभारम्भ राजस्थान के विभिन्न अंचलों के बाल लोक कलाकारों की रंगारंग प्रस्तुतियों के साथ हुआ। ये बाल कलाकार गुरु-शिष्य परंपरा के अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं, जो पारंपरिक कलाओं के संरक्षण में आज भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। पहले दिन का कार्यक्रम रंगायन सभागार में आयोजित हुआ और इसमें एक विशेष नवाचार देखने को मिला, क्योंकि पहली बार इस रूप में बाल लोक कलाकारों ने मंच प्रस्तुतियाँ दीं। इस आयोजन ने राजस्थान की समृद्ध लोक संस्कृति को प्रदर्शित किया तथा यह भी दिखाया कि नई पीढ़ी के माध्यम से लोक परंपराएँ आगे बढ़ाई जा रही हैं। परीक्षा की दृष्टि से भी यह कार्यक्रम महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि यह राजस्थान में सांस्कृतिक संरक्षण और संस्थागत प्रोत्साहन को जोड़ता है।

उद्घाटन दिवस की प्रमुख झलकियाँ

समारोह के पहले दिन बाल कलाकारों ने अपनी आत्मविश्वासपूर्ण और प्रभावशाली प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

- यह कार्यक्रम जवाहर कला केन्द्र के 33वें स्थापना दिवस समारोह के अंतर्गत आयोजित किया गया।
- यह राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत पर केंद्रित तीन दिवसीय आयोजन है।
- इसमें राज्य के विभिन्न क्षेत्रों के बाल लोक कलाकारों ने भाग लिया।
- दर्शकों ने प्रस्तुतियों को रुचिपूर्वक देखा और तालियों से कलाकारों का उत्साहवर्धन किया।

यह आयोजन केवल कलात्मक प्रशिक्षण ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक निरंतरता का भी प्रतीक बना।

कार्यक्रम में प्रस्तुत लोक कलाएँ

बाल कलाकारों ने राजस्थान की अनेक पारंपरिक लोक विधाओं की प्रस्तुति दी।

- डांडी गैर
- शेखावाटी चंग

RASonly

- पारंपरिक मांगलिक गीत
- लोक नृत्य की विभिन्न शैलियाँ

इन प्रस्तुतियों ने राजस्थान की क्षेत्रीय सांस्कृतिक विविधता को सामने रखा और यह दर्शाया कि बाल पीढ़ी लोक परंपराओं के संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभा रही है।

लंगा समूह की प्रस्तुति

कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण सादिक खान लंगा और उनके दल की प्रस्तुति रही।

- प्रस्तुति का आरम्भ “गजानंद जी आवो” से हुआ।
- इसके बाद “चैरा री माखी”, “चरखो”, “जीवडो” और “धोरा वालो देश” जैसे लोकगीत प्रस्तुत किए गए।

उनकी मधुर गायकी ने श्रोताओं को राजस्थान की मरु-संस्कृति से भावनात्मक रूप से जोड़ दिया।

चरी नृत्य और शेखावाटी चंग

कार्यक्रम में पारंपरिक मांगलिक चरी नृत्य की भी आकर्षक प्रस्तुति हुई।

- कृष्णा मालीकर और उनके समूह के बाल कलाकारों ने चरी नृत्य प्रस्तुत किया।
- उन्होंने सिर पर जलती हुई चरी रखकर अत्यंत संतुलन, सौंदर्य और नियंत्रण के साथ नृत्य किया।

इसके बाद शेखावाटी क्षेत्र का प्रसिद्ध चंग नृत्य प्रस्तुत किया गया।

- बनवारी और उनके समूह ने चंग और ढप की थाप पर प्रस्तुति दी।
- इस प्रस्तुति में बांसुरी की मधुर धुन भी शामिल रही।

इस प्रस्तुति में ऊर्जा, तालमेल और लोक संस्कृति की जीवंतता स्पष्ट रूप से दिखाई दी।

उद्घाटन दिवस की अंतिम प्रस्तुति

उद्घाटन दिवस की अंतिम प्रस्तुति बालोतरा के दिनेश और उनके समूह द्वारा दी गई।

- यह प्रस्तुति ढोल और थाली की मधुर ध्वनि पर आधारित थी।
- इसका प्रारम्भ “घेरा” से हुआ।
- इसके बाद “सठिया” की सधी हुई लय प्रस्तुत की गई।
- कार्यक्रम का समापन मनमोहक मारवाड़ी घूमर से हुआ।

इस अंतिम प्रस्तुति ने पहले दिन के आयोजन को भव्य समापन प्रदान किया।

आयोजन का सांस्कृतिक महत्व

इन प्रस्तुतियों ने स्पष्ट किया कि राजस्थान की सांस्कृतिक धरोहर नई पीढ़ी के माध्यम से प्रभावी रूप से आगे बढ़ाई जा रही है। इस आयोजन ने यह भी दर्शाया कि जवाहर कला केन्द्र राज्य की एक

RASonly

महत्त्वपूर्ण सांस्कृतिक संस्था के रूप में कार्य कर रहा है। बाल लोक कलाकारों को मंच देकर इस कार्यक्रम ने पारंपरिक कलाओं के संरक्षण और संवर्धन दोनों को प्रोत्साहन दिया।

आगामी कार्यक्रम

स्थापना दिवस समारोह के दूसरे दिन, 9 अप्रैल 2026 को मुजफ्फर रहमान और उनके समूह की विशेष प्रस्तुति आयोजित की जाएगी।

- इस प्रस्तुति में कुल 14 कलाकार सहभागी होंगे।
- गायन इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहेगा।

यह प्रस्तुति श्रोताओं को एक विशेष संगीत अनुभव प्रदान करने की अपेक्षा रखती है।

निष्कर्ष

जवाहर कला केन्द्र का 33वाँ स्थापना दिवस समारोह राजस्थान की लोक परंपराओं के संरक्षण और संवर्धन के प्रति राज्य की प्रतिबद्धता को दर्शाने वाला एक महत्वपूर्ण सांस्कृतिक आयोजन है। पहले दिन बाल कलाकारों की प्रस्तुतियों ने सिद्ध किया कि गुरु-शिष्य परंपरा और संस्थागत सहयोग के माध्यम से पारंपरिक संगीत और नृत्य आज भी सजीव और सशक्त बने हुए हैं।

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. समाचार में उल्लिखित 33वाँ स्थापना दिवस समारोह किस संस्था से संबंधित है?
(a) राजस्थान संगीत नाटक अकादमी
(b) जवाहर कला केन्द्र
(c) रवीन्द्र मंच
(d) राजस्थान ललित कला अकादमी

उत्तर: (b) जवाहर कला केन्द्र

व्याख्या: यह समाचार जयपुर स्थित जवाहर कला केन्द्र के 33वें स्थापना दिवस समारोह से संबंधित है। इस अवसर पर बाल लोक कलाकारों ने प्रस्तुति दी और राजस्थान की सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण तथा संवर्धन में इस संस्था की भूमिका विशेष रूप से सामने आई।

---

2. कृष्णा मालीकर और उनके समूह ने निम्नलिखित में से कौन-सी प्रस्तुति दी?
(a) डांडी गैर
(b) मारवाड़ी घूमर
(c) चरी नृत्य
(d) लंगा लोक गायन

उत्तर: (c) चरी नृत्य

व्याख्या: कृष्णा मालीकर और उनके समूह के बाल कलाकारों ने पारंपरिक मांगलिक चरी नृत्य प्रस्तुत किया। इस नृत्य में कलाकारों ने सिर पर जलती हुई चरी रखकर अत्यंत संतुलन, सौंदर्य और नियंत्रित शैली में नृत्य किया, जिसने दर्शकों को प्रभावित किया।

RASonly

3. मुजफ्फर रहमान और उनके समूह की विशेष प्रस्तुति कब आयोजित की जानी थी?

(a) 8 अप्रैल 2026

(b) 9 अप्रैल 2026

(c) 10 अप्रैल 2026

(d) 11 अप्रैल 2026

उत्तर: (b) 9 अप्रैल 2026

व्याख्या: स्थापना दिवस समारोह के दूसरे दिन, 9 अप्रैल 2026 को मुजफ्फर रहमान और उनके समूह की विशेष प्रस्तुति निर्धारित की गई थी। यह भी बताया गया था कि इस कार्यक्रम में 14 कलाकार सहभागी होंगे और गायन इसका मुख्य आकर्षण रहेगा।

RASonly

RASonly